प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

07.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज शिमला में राज्य आपदा प्रबंधन पर एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में वे प्राकृतिक आपदा के कारण प्रदेश में हुए भारी नुकसान के बाद चलाये जा रहे राहत कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में सभी विभागों के सचिवों के अलावा अन्य अधिकारी भी भाग लेंगे।

सीएम–आग्रह

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने केन्द्र सरकार से किन्नौर ज़िले में शिपकी–ला मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया है। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिपकी–ला क्षेत्र वर्तमान सीमाओं से पूर्व भारत–तिब्बत व्यापार का महत्वपूर्ण मार्ग रहा है। उन्होंने कहा कि रामपुर और पूह से शिपकी–ला तक पहले से ही सड़क सुविधा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिपकी–ला मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने का कदम किन्नौर के जनजातीय लोगों के उत्थान में भी दूरगामी भूमिका निभाएगा।

भाजपा

मण्डी ज़िले के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भाजपा ने अब तक 2 हज़ार से अधिक राहत किटें प्रभावितों तक पहुंचाई हैं। पार्टी अध्यक्ष राजीव बिंदल ने बताया कि आज पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा 5 हज़ार से अधिक राहत किटें प्रभावित इलाकों में पहुंचाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि राहत किटें पहुंचाने के कार्य की देखरेख के लिए 3 टीमें बनाई गई हैं।

सराज विधानसभा क्षेत्र में 1894 किटें मंडी पहुंचा जाएंगी। 3 हजार किटें हम स्टेंडबाई रखेंगे। करसोग विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है, वहां के लिए 500 से अधिक किटें हमारी जा चुकी है। नाचन के लिए किटें और जो धर्मपुर में नुकसान हुआ है, उसके लिए हमीरपुर जिला में हमारा सारा माल एकत्र हो गया है। हम लगभग 5 हजार किटें बना करके उनको अगले 72 घंटे के अंदर फील्ड में पहुंचाने की दृष्टि से कामयाब हो जाएंगे।

आपदा

मण्डी ज़िले में प्राकृतिक आपदा से सराज विधानसभा क्षेत्र के थुनाग व अन्य इलाकों में भारी क्षति हुई है। उपायुक्त अपूर्व देवगन ने बताया कि जहां बचाव दल राहत व पुनर्वास कार्यों में जुटे हुए हैं वहीं स्वास्थ्य विभाग भी पूरी मुस्तैदी से प्रभावित क्षेत्रों में सेवाएं दे रहा है। विभाग ने लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए 24 मोबाइल मैडिकल टीमें गठित की हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों से अब तक विभिन्न माध्यमों से 9 गर्भवती महिलाओं को मण्डी के क्षेत्रीय अस्पताल और नेरचौक मैडिकल कॉलेज में पहुंचाया गया है। उपायुक्त ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों की नियमित जांच व निगरानी पर बल दिया है।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में आज मौसम साफ बना हुआ है। इससे लोगों ने राहत की सांस ली है। पिछले दिनों हुई बादल फटने, बाढ़ व भूस्खलन की घटनाओं से प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य तेजी से जारी हैं। वहीं विभाग ने आज कई जिलों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जबकि अगले 24 घंटों के दौरान येलो अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के चलते बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनाएं हो रही है, जिससे प्रशासन द्वारा लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इस मॉनसून सीज़न के दौरान प्रदेश में अब तक 78 लोगों की मृत्यु हुई है और 37 लोग अभी भी लापता हैं। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे शिमला संवाददाता....

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला में आज प्रदेश के 8 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था लेकिन इस बीच आज प्रदेश में सुबह से धूप खिली है जिससे लोगों ने थोड़ी राहत महसूस की है।मौसम साफ होने से मंडी में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में आसानी होगी ।साथ ही प्रदेश में 200 से अधिक सड़कें अभी भी भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन से यातायात के लिए बंद पड़ी हैंजिनको खोलने में आसानी होगी। वही मंडी में अभी भी 30 लोग लापता है जिनके लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कल चंबा के भटियात में छिंज मेला चलामा में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देवभूमि व वीर भूमि हिमाचल प्रदेश की लोक संस्कृति, परंपराएं और रीति–रिवाज लोगों के सामाजिक जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। उन्होंने कहा कि भटियात विधानसभा क्षेत्र के तहत लोक निर्माण, जल शक्ति सहित प्रमुख विभागों की 500 करोड़ से अधिक की धन राशि वाली विभिन्न परियोजनाओं का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और जल्द ही इन परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने लोअर द्रमण से चलामा गांव तक सड़क निर्माण कार्यों को शुरू करने का आश्वासन भी लोगों को दिया। उन्होंने कहा कि बरसात के पश्चात एक सौ के करीब छोटे–बड़े संपर्क मार्गों के निर्माण कार्यों को शुरू किया जाना भी प्रस्तावित है।